भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

तारांकित प्रश्न संख्या. 03

(जिसका उत्तर सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक) को दिया जाना है)

पीएम इंटर्नशिप योजना की स्थिति और उसकी उपलब्धि

3*. श्री विजय कुमार दूबेः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में युवा प्रतिभाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके प्रायोगिक राउंड के दूसरे दौर में क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं;
(ख) सरकार द्वारा उक्त योजना के अंतर्गत कर्नाटक, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश के शिमला लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र, मध्य प्रदेश के सीधी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र और महाराष्ट्र के जलगांव लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य-वार कितने छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों को लक्षित और चयनित किया गया है;
(ग) इस योजना के कार्यान्वयन के लिए अपनाई गई विस्तृत कार्य योजना, चयन मानदंड और प्रक्रिया सहित अब तक नामांकित और लाभान्वित छात्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) इस योजना से छात्रों के लिए कैरियर, व्यावसायिक कौशल, व्यावहारिक ज्ञान और रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने में किस प्रकार सहायता मिल रही है; और
(ङ) हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में उक्त योजना के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है और इसके क्या अपेक्षित परिणाम निकले हैं?

उत्तर

वित्त और कारपोरेट कार्य मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

'दूसरे राउंड में पीएमआईएस की स्थिति' के संबंध में 21 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 3 के भाग (क), (ख), (ग), (घ) और (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की घोषणा बजट 2024-25 में की गई थी। इसका उद्देश्य पांच साल में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना की शुरुआत के रूप में, कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने 3 अक्टूबर, 2024 को योजना का एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसका लक्ष्य एक वर्ष में युवाओं को 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है।

पीएम इंटर्नशिप स्कीम पायलट प्रोजेक्ट के पहले राउंड में, भागीदार कंपनियों ने देश भर में पीएमआईएस पोर्टल पर 1.27 लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर पोस्ट किए। इसके विरूद्ध करीब 1.81 लाख अभ्यर्थियों से 6.21 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। साझेदार कंपनियों ने 60,000 से अधिक अभ्यर्थियों को 82,000 से अधिक इंटर्नशिप ऑफर दिए, जिनमें से 28,000 से अधिक अभ्यर्थियों ने इंटर्नशिप में शामिल होने के पेशकश स्वीकार किए और 8700 से अधिक अभ्यर्थी अपनी इंटर्नशिप में शामिल हुए।

9 जनवरी, 2025 को शुरू हुए पीएम इंटर्नशिप योजना पायलट प्रोजेक्ट के दूसरे राउंड में, लगभग 327 भागीदार कंपनियों ने देश के 735 जिलों में 1.18 लाख से अधिक इंटर्नशिप अवसर (पिछले राउंड के नए और संपादित अपूरित अवसर) पोस्ट किए हैं। इस राउंड में 2.14 लाख से अधिक आवेदकों से 4.55 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। दिनांक 17.07.2025 तक, भागीदार कंपनियों ने युवाओं को 71000 से अधिक ऑफर दिए हैं और 22500 से अधिक ऑफर स्वीकार किए गए हैं। वर्तमान में, पेशकश को शुरू करने और इंटर्न द्वारा स्वीकृति/कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

(ख): 21- 24 वर्ष के आयु वर्ग के बीच के युवा, जिन्होंने हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल उत्तीर्ण किया है, आईटीआई से प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा हैं, या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए, बीफार्मा आदि जैसी डिग्री से स्नातक हैं और पूर्णकालिक नियोजित नहीं हैं और पूर्णकालिक शिक्षा से नहीं जुड़े हैं, आवेदन करने के लिए पात्र हैं। कारपोरेट कार्य मंत्रालय इस योजना के प्रचार और कार्यान्वयन के लिए विभिन्न हितधारकों जैसे राज्य सरकारों, उद्योग संघों, शैक्षणिक संस्थानों आदि के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। मंत्रालय देश भर में लक्षित समूहों तक पहुंचने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार कार्यकलाप भी कर रहा है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले, मध्य प्रदेश के सीधी जिले और महाराष्ट्र के जलगांव जिले में भागीदार कंपनियों द्वारा इंटर्नशिप की पेशकश जिन अभ्यर्थियों को दिया गया है, उनका जिलावार विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग): यह योजना एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है, जो आद्योपान्त स्कीम कार्यान्वयन और इंटर्नशिप लाइफ साइकिल प्रबंधन के लिए केन्द्रीकृत मंच के रूप में कार्य करता है। इंटर्नशिप के अवसरों को पोस्ट करने के लिए पोर्टल पर प्रत्येक भागीदार कंपनी को एक समर्पित डैशबोर्ड प्रदान किया जाता है। योग्य अभ्यर्थियों को तब पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत करना होगा, और स्थान (राज्य, जिला), क्षेत्र, कार्यात्मक भूमिका और योग्यता सहित अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर इंटर्नशिप के अवसरों के लिए आवेदन करना होगा। आवेदनों के आधार पर अभ्यर्थियों का एक पूल पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक इंटर्नशिप अवसर के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाता है, और कंपनियों को भेजा जाता है। कंपनियां अभ्यर्थियों का चयन करती हैं और अपने संबंधित चयन मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर इंटर्नशिप ऑफर देती हैं।

पीएमआईएस पायलट प्रोजेक्ट के तहत अपनी प्रोफाइल और पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने वाले अभ्यर्थियों की कुल संख्या पहले दौर में 3.38 लाख से अधिक और दूसरे दौर में 3.46 लाख से अधिक है।

पीएमआईएस पायलट प्रोजेक्ट के पहले दौर और दूसरे दौर में उस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के आवेदकों को किए गए पेशकश की संख्या अनुलग्नक II में दी गई है।

(घ) और (ङ): पीएमआईएस के तहत, कंपनी से अपेक्षा की जाती है कि वह व्यक्ति को उस कौशल पर वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करे जिसमें कंपनी सीधे शामिल है। इंटर्नशिप अवधि का कम से कम आधा वास्तविक कार्य / वास्तविक जीवन कारोबारी माहौल में होगा। इस प्रकार, यह योजना युवाओं को अकादमिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटकर उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के इरादे से विभिन्न व्यवसायों या संगठनों के वास्तविक जीवन के वातावरण में प्रशिक्षण प्राप्त करने और अनुभव और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

पीएमआईएस के तहत पहले दौर और दूसरे दौर में इंटर्नशिप पेशकश स्वीकार करने वाले अभ्यर्थियों की राज्यवार संख्या, अनुलग्नक III में संलग्न है। वर्तमान में, दूसरे दौर में पेशकश को शुरू करने और इंटर्न द्वारा स्वीकरण/कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया प्रगति पर है।

*****

अनुलग्नक I

दिनांक 21 जुलाई, 2025 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 3 भाग (ख) का अनुलग्नक

जिन अभ्यर्थियों को हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले, मध्य प्रदेश के सीधी जिले और महाराष्ट्र के जलगांव जिले में साझेदार कंपनियों द्वारा इंटर्नशिप की पेशकश की गई है:

जिले का नाम	राज्य का नाम	पहला दौर	दूसरा दौर
शिमला	हिमाचल प्रदेश	120	32
सीधी	मध्य प्रदेश	47	99
जलगांव	महाराष्ट्र	95	183

अनुलग्नक II

दिनांक 21 जुलाई, 2025 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 3 भाग (ग) का अनुलग्नक

पीएमआईएस पायलट प्रोजेक्ट के पहले दौर और दूसरे दौर में उस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के आवेदकों को किए गए पेशकश की संख्या।

क्रम संख्या	राज्य	किए गए पेशकश की संख्या	
		पहला दौर	दूसरा दौर
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	20	8
2	आंध्र प्रदेश	6164	8911
3	अरुणाचल प्रदेश	29	17
4	असम	3843	1944
5	बिहार	5668	4532
6	चंडीगढ़	117	53
7	छत्तीसगढ़	2284	3312
8	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	40	19
9	दिल्ली	2698	1141
10	गोवा	28	48
11	गुजरात	4541	2587
12	हरियाणा	5990	1610
13	हिमाचल प्रदेश	929	383
14	जम्मू और कश्मीर	769	834
15	झारखंड	2699	1390
16	कर्नाटक	3098	2207
17	केरल	1938	1535
18	लद्दाख	34	8
19	लक्षद्वीप	0	0
20	मध्य प्रदेश	6244	7822
21	महाराष्ट्र	3718	5028
22	मणिपुर	71	32
23	मेघालय	45	46
24	मिजोरम	5	3
25	नागालैंड	58	38
26	ओडिशा	3267	5714
27	पुडुचेरी	105	38
28	पंजाब	742	1983
29	राजस्थान	4314	5436
30	सिक्किम	15	23
31	तमिलनाडु	2347	1751
32	तेलंगाना	4439	3517
33	त्रिपुरा	200	758
34	उत्तर प्रदेश	11563	6259
35	उत्तराखंड	622	361
36	पश्चिम बंगाल	3433	2110
कुल योग		82077	71458

*****

अनुलग्नक III

दिनांक 21 जुलाई, 2025 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 3 भाग (घ) एवं (ङ) का अनुलग्नक III

पीएमआईएस पायलट प्रोजेक्ट के पहले दौर और दूसरे दौर में उस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से पेशकश स्वीकार करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों का नाम	पहला दौर	दूसरा दौर
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	7	4
2	आंध्र प्रदेश	1970	2503
3	अरुणाचल प्रदेश	14	8
4	असम	1780	1203
5	बिहार	2418	1388
6	चंडीगढ़	35	11
7	छत्तीसगढ़	806	807
8	दिल्ली	1000	431
9	गोवा	7	14
10	गुजरात	1019	600
11	हरियाणा	1293	580
12	हिमाचल प्रदेश	177	104
13	जम्मू और कश्मीर	296	321
14	झारखंड	1075	609
15	कर्नाटक	980	732
16	केरल	524	653
17	लद्दाख	17	3
18	मध्य प्रदेश	2058	2049
19	महाराष्ट्र	1188	1559
20	मणिपुर	37	18
21	मेघालय	27	13
22	मिजोरम	2	2
23	नागालैंड	28	12
24	ओडिशा	1329	1488
25	पुडुचेरी	33	10
26	पंजाब	223	459
27	राजस्थान	1410	1235
28	सिक्किम	8	4
29	तमिलनाडु	672	592
30	तेलंगाना	1379	1222
31	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	12	7
32	त्रिपुरा	110	304
33	उत्तर प्रदेश	4656	2623
34	उत्तराखंड	230	134
35	पश्चिम बंगाल	1321	882
कुल योग		28141	22584

******